Regarding special scheme for maintenance and conservation of Sirpur, a historical site in Chhattisgarh

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी (महासमुन्द) : धन्यवाद सभापति महोदया । महोदया, सिरपुर, 5 वीं से 8 वीं शताब्दी के बीच दक्षिण कोसल साम्राज्य की राजधानी था और इसका ऐतिहासिक महत्व अत्यधिक है । यहाँ स्थित लक्ष्मण मंदिर, राम मंदिर, गंधेश्वर महादेव मंदिर, बौद्ध विहार और जैन विहार जैसी संरचनाएँ उस समय की अद्वितीय वास्तुकला को प्रदर्शित करती हैं । सिरपुर में किए गए उत्खनन में 12 बौद्ध विहार, एक जैन विहार, बुद्ध और महावीर की मूर्तियाँ, शिव और विष्णु मंदिर, भूमिगत अन्न भंडार और स्नानघर जैसी महत्वपूर्ण संरचनाएँ सामने आई हैं, जो इसके सांस्कृतिक और धार्मिक समृद्धि को दर्शाती हैं । विशेष रूप से, सिरपुर की तारा की मूर्तिकला और शिल्प की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है । कुछ इतिहासकारों का यह भी मानना है कि यह भगवान राम के बेटे कुश की राजधानी थी महोदया, "जिनका इतिहास नहीं होता और जिन्हें अपने इतिहास पर गर्व नहीं होता, उनका वर्तमान भी नहीं होता" ? यह पंक्ति सिरपुर के ऐतिहासिक महत्व को और भी गहरा बनाती है, क्योंकि यह स्थल भारतीय इतिहास और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, इसका सरंक्षण ना केवल छत्तीसगढ़ अपितु सम्पूर्ण राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास को विश्व पटल पर सम्पूर्ण राष्ट्र को गौरवान्वित करेगा । इसलिए मेरा माननीय संस्कृति मंत्री जी से यह आग्रह है कि केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार सिरपुर के उत्खनन, संरक्षण और इसके ऐतिहासिक महत्व को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजना बना रही है? साथ ही, क्या सिरपुर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल करने के लिए सरकार कोई ठोस कदम उठा रही है?